I.C.S.E

कक्षा : X

हिन्दी

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

---

*This Paper comprises of two sections ; **Section A** and **Section B.***

*Attempt **All** the questions from **Section A.***

*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)

Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics : [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए:

1. वर्तमान युग में नैतिक मूल्यों का पतन हो रहा है इस आधार पर 'जीवन में नैतिक मूल्यों का महत्त्व' पर प्रस्ताव लिखें।
2. सफलता की कुंजी : मन की एकाग्रता पर अपने विचार प्रकट करें।
3. वृक्ष हमारे जीवन का आवश्यक अंग है। वृक्ष के बिना हम भी अधिक समय तक अपने अस्तित्व को जिंदा नहीं रख सकते। इस आधार पर 'वृक्ष लगाओ जीवन बचाओ' पर अपने विचार लिखें।
4. 'जाको राखे साईंयाँ, मार सके न कोय' इस सूक्ति के आधार पर निबंध लिखिए।

5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below: [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

1. आपका छोटा भाई पढ़ाई में बिलकुल ध्यान नहीं दे रहा है। वह न तो विद्यालय में पढ़ता है और न घर पर। इस बार परीक्षा में उसके अंक भी बहुत कम आए हैं। अत: पढ़ाई का महत्त्व समझाते हुए पत्र लिखिए।
2. शिक्षण मार्गदर्शन पत्रिका का अंक न मिलने पर शिकायत पत्र लिखिए।

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible : [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए:

हड़प्पा में पकी मिट्टी की स्त्री मूर्तिकाएँ भारी संख्या में मिली हैं। एकमूर्ति में स्त्री के गर्भ से निकलता एक पौधा दिखाया गया है। विद्वानों के मत में यह पृथ्वी देवी की प्रतिमा है और इसका निकट संबंध पौधों के जन्म और वृद्धि से रहा होगा। इसलिए मालूम होता है कि यहाँ के लोग धरती को उर्वरता की देवी समझते थे और इसकी पूजा उसी तरह करते थे जिस तरह मिस्र के लोग नील नदी की देवी आइसिस् की। लेकिन प्राचीन मिस्र की तरह यहाँ का समाज भी मातृ प्रधान था कि नहीं यह कहना मुश्किल है। कुछ वैदिक सूक्तों में पृथ्वी माता की स्तुति है, धोलावीरा के दुर्ग में एक कुआँ मिला है इसमें नीचे की तरफ जाती सीढ़ियाँ है और उसमें एक खिड़की थी जहाँ दीपक जलाने के सबूत मिलते है। उस कुएँ में सरस्वती नदी का पानी आता था, तो शायद सिंधु घाटी के लोग उस कुएँ के जरिए सरस्वती की पूजा करते थे।

1. हड़प्पा में किसकी मूर्तिकाएँ भारी संख्या में मिली हैं?
2. हड़प्पा के लोग किसे उर्वरता की देवी समझते थे?
3. हड़प्पा के लोग धरती की पूजा कैसे करते थे?
4. वैदिक सूक्तों में किस की स्तुति है?
5. सिंधु घाटी के लोग सरस्वती कीपूजा की पूजाकैसे करते थे?

Q.4 Answer the following according to the instructions given :

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित क्रिया शब्दों से विशेषण बनाइए : [1]
   - भागना
   - पालना

2. निम्नलिखित सर्वनाम शब्दों से भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए : [2]
   - अपना
   - निज

3. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थपूर्ण स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए : [2]
   मुँह फेरना, ठुकरा देना

1. शत्रुओं ने देश को गेर लिया। (रेखांकित के स्थान पर सही शब्द का प्रयोग करें।)

2. पौधा एक माली लगाया ने बगीचे में। (शब्दों को क्रम से लगाकर उचित वाक्य बनाइए।)

3. अपराधी को दंड मिलना ही था। ('दंड' के स्थान पर 'दंडित' का प्रयोग कीजिए।)

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

साहित्य सागर

गद्य

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

कागज़ पर इन निर्जीव चित्रों को बनाने के बजाय दो-चार की जिंदगी क्यों नहीं बना देती ! तेरे पास सामर्थ्य है, साधन हैं!"

पाठ - दो कलाकार

लेखक - मन्नू भंडारी

1. उपर्युक्त कथन का संदर्भ स्पष्ट करें। [2]
2. उपर्युक्त कथन का तात्पर्य स्पष्ट करें। [2]
3. अरुणा ने आवेश में आकर यह क्यों कहा कि किस काम की ऐसी कला जो आदमी को आदमी न रहने दें। [3]
4. अरुणा उपर्युक्त कथन द्वारा चित्रा को क्या कहना चाहती है? [3]

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

सुनते हो? आज तुम्हारी फाइल पूर्ण हो गई मगर कवि का हाथ ठंडा था, आँखों की पुतलियाँ निर्जीव और चींटियों की एक लंबी पाँत उसके मुँह में जा रही थी...।

पाठ - जामुन का पेड़

लेखक - कृष्ण चंदर

1. यहाँ पर किस फाइल की बात की जा रही है? [2]
2. दबे हुए व्यक्ति को इतने दिन पेड़ के नीचे से क्यों नहीं निकाला गया? [2]
3. उपर्युक्त कथन का वक्ता कौन है उसका परिचय दें। [3]
4. प्रस्तुत कथन का आशय स्पष्ट करें। [3]

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

पशु समाज में इस 'क्रांतिकारी' परिवर्तन से हर्ष की लहर दौड़ गई कि समृद्धि और सुरक्षा का स्वर्ण-युग अब आया और वह आया।

पाठ - भेड़ें और भेड़िए

लेखक - हरिशंकर परसाई

1. पशु समाज में 'क्रांतिकारी' परिवर्तन क्यों आया? [2]
2. प्रस्तुत अवतरण में 'क्रांतिकारी' परिवर्तन से क्या आशय है? [2]
3. पशु समाज में हर्ष की लहर क्यों दौड़ पड़ी? [3]
4. प्रजातंत्र की स्थापना की कल्पना से भेड़ों में कौन-सी आशाएँ जागने लगी? [3]

साहित्य सागर

पद्य

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

भूख से सूख ओंठ जब जाते
दाता-भाग्य विधाता से क्या पाते?
घूँट आँसुओं के पीकर रह जाते।
चाट रहे जूठी पत्तल वे सभी सड़क पर खड़े हुए,
और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए!

कविता - भिक्षुक
कवि - सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

1. भिक्षुक के आँसुओं के घूँट पी जाने का क्या कारण है? [2]
2. भूख मिटाने की विवशता उनसे क्या करवाती है? [3]
3. 'और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए' - पंक्ति का आशय स्पष्ट करें। [3]
4. शब्दार्थ लिखिए : [3]
    - ओंठ
    - सड़क
    - कुत्ते
    - झपट
    - आँसू
    - विधाता

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

चलूँ मैं जल्दी से बढ़-चलूँ।
देख लूँ माँ की प्यारी मूर्ति।
आह! वह मीठी-सी मुसकान

जगा जाती है, न्यारी स्फूर्ति।।
उसे भी आती होगी याद?
उसे, हाँ आती होगी याद।
नहीं तो रूठूँगी मैं आज
सुनाऊँगी उसको फरियाद।
कलेजा माँ का, मैं संतान
करेगी दोषों पर अभिमान।
मातृ-वेदी पर हुई पुकार,
चढ़ा दो मुझको, हे भगवान।।

कविता - मातृ मंदिर की ओर
कवि - सुभद्रा कुमारी चौहान

1. कवयित्री क्यों जल्दी से आगे बढ़ना चाहती है? [2]
2. कवयित्री माँ को क्या सुनाना चाहती है? [2]
3. इस कविता का केन्द्रीय भाव लिखें। [3]
4. शब्दार्थ लिखिए : [3]
- स्फूर्ति
- फरियाद
- अभिमान
- संतान
- पुकार
- भगवान

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।
आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली
दरवाजे-खिड़कियाँ खुलने लगी गली-गली

पाहुन ज्यों आये हों गाँव में शहर के।
पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाये
आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाये
बाँकी चितवन उठा नदी, ठिठकी, घूँघट सरकाए।

कविता - मेघ आए

कवि - सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

1. मेघ रूपी मेहमान के आने से वातावरण में क्या परिवर्तन हुए? [2]
2. 'बाँकी चितवन उठा, नदी ठिठकी, घूँघट सरकाए।' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। [2]
3. मेघों के लिए 'बन-ठन के, सँवर के' आने की बात क्यों कही गई है? [3]
4. शब्दार्थ लिखिए : [3]
    - बन ठन के
    - बाँकी चितवन
    - पाहुन
    - ठिठकना

एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

अब शराफत और इन्सानियत की दुहाई देते हो। कुछ देर पहले तो ...

एकांकी - बहू की विदा

लेखक - विनोद रस्तोगी

1. इस कथन की वक्ता का चरित्र चित्रण कीजिए। [2]
2. शराफत और इन्सानियत की दुहाई कौन दे रहा है? क्यों? [2]
3. वक्ता ने श्रोता की किस बात के लिए आलोचना की? [3]
4. वक्ता ने श्रोता की आँखे किस प्रकार खोली? [3]

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

काश कि मैं निर्मम हो सकती, काश कि मैं संस्कारों की दासता से मुक्त हो पाती तो कुल धर्म और जाति का भूत मुझे तंग न करता और मैं अपने बेटे से न बिछुड़ती। स्वयं उसने मुझसे कहा था, संस्कारों की दासता सबसे भयंकर शत्रु है।

एकांकी - संस्कार भावना

लेखक - विष्णु प्रभाकर

1. कौन संस्कारों की दासता से मुक्त होने में विफल रहा और क्यों? [2]
2. माँ ने अपने विचारों के प्रति क्या पश्चाताप किया है? [2]
3. अतुल और उमा माँ के किस निर्णय से प्रसन्न हैं? [3]
4. अविनाश की वधू का चरित्र-चित्रण कीजिए। [3]

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

इस मिट्टी के दुर्ग को मिट्टी में मिलाने से मेरी आत्मा को संतोष नहीं होगा, लेकिन अपमान की वेदना में जो विवेकहीन प्रतिज्ञा मैंने कर डाली थी, उससे तो छुटकारा मिल ही जाएगा।

एकांकी - मातृभूमि का मान

लेखक - हरिकृष्ण 'प्रेमी'

1. महाराणा ने किसके सुझाव पर बूँदी का नकली महल बनवाया? [2]
2. नकली दुर्ग क्यों बनवाया गया? [2]
3. महाराणा की प्रतिज्ञा विवेकहीन क्यों थी? [3]
4. 'मातृभूमि का मान' एकांकी शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए। [3]

नया रास्ता
(सुषमा अग्रवाल)

Q.14. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

धनीमल जी व मायाराम जी आपस में कुछ बातें की और सब वहाँ से उठकर चल दिए। अमित और सरिता को एकांत में बात करने का अवसर दिया गया। अमित ने सरिता से कुछ प्रश्न किए। अमित ने पूछा, "आपकी किस चीज में रूचि है?"

सरिता ने तपाक से जवाब दिया, "जी, मुझे पेंटिंग व कार ड्राइविंग में विशेष रूचि है।"

1. धनीमल और मायाराम कौन हैं? उनके बीच क्या बातचीत हो रही है? [2]
2. अमित और सरिता किस विषय में बात कर रहे हैं? [2]
3. मुझे पेंटिंग व कार ड्राइविंग में विशेष रूचि है - स्पष्ट कीजिए। [3]
4. उनकी बातचीत का निष्कर्ष क्या होगा? [3]

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

वह स्वयं ही दृढ़ता व साहस की मूर्ति थी। उतार चढ़ाव तो हर इंसान की जिंदगी में आते ही रहते हैं। उसने विवाह का सपना ही देखना छोड़ दिया। उसके सामने इतनी लंबी जिंदगी पड़ी थी, जिसका वह एक क्षण भी व्यर्थ नहीं होने देना चाहती थी।

1. लेखिका मीनू को दृढ़ता व साहस की मूर्ति क्यों कह रही है? [2]
2. विवाह के अलावा मीनू के जीवन का लक्ष्य क्या था? [2]
3. मीनू समाज के झूठे आवरण को हटाकर एक सत्य दिखाना चाहती है - स्पष्ट कीजिए। [3]
4. प्रस्तुत पंक्तियों का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए। [3]

Q.16. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

परन्तु दूसरे ही क्षण मीनू के कदम अस्पताल की ओर बढ़ चले। उसके हृदय में एक अंतर्द्वंद्व था उसका अस्पताल में जाना उचित होगा या नहीं। कई बार उसको अंत:प्रेरणा ने उसे वापस मुड़ जाने के लिए प्रेरित किया, परंतु अंतर्द्वंद्व में फैसला नहीं कर पायी। उसके कदम अस्पताल की ओर बढ़ते गए उसने देखा कि वह अस्पताल के सामने खड़ी थी।

मीनू ने अमित के कमरे में प्रवेश किया, तो देखा कि अमित अपने पलंग पर लेटा हुआ अपनी माँ से बातें का रहा था। मीनू को देखकर उन्होंने उसे प्रेमपूर्वक बैठाया उसे देखकर अमित के मुरझाए चेहरे पर खुशी की लहर दौड़ गई।

तभी माँ ने मीनू से पूछा, "मीनू तुम्हारी वकालत तो पूरी हो गई है ना?"

"हाँ आंटी ! मैंने प्रथम श्रेणी में वकालत पास कर ली है और अब यहाँ मेरठ में ही प्रेक्टिस भी शुरू कर दी है।"

1. अमित मीनू के आने से खुश क्यों हो गया? [2]
2. यह वार्तालाप किस-किस के मध्य चल रहा है? उनका आपस में क्या संबंध है? [2]
3. वक्ता के वकालत पास करने से उन्हें विशेष खुशी क्यों हो रही है? [3]
4. इन पंक्तियों का भाव अपने शब्दों में लिखिए। [3]

Solution

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

*This Paper comprises of two sections ; **Section A** and **Section B.***

*Attempt **All** the questions from **Section A.***

*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)

Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics : [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए:

1. वर्तमान युग में नैतिक मूल्यों का पतन हो रहा है इस आधार पर 'जीवन में नैतिक मूल्यों का महत्त्व' पर प्रस्ताव लिखें।

व्यक्ति के जीवन में नैतिक मूल्यों का बड़ा महत्त्व होता है। नैतिक शिक्षा मनुष्य के जीवन में बहुत आवश्यक है। इसका आंरभ मनुष्य के बाल्यकाल से ही हो जाता है।

अपने हितों की रक्षा के साथ दूसरों के हितों, अधिकारों व दृष्टिकोण का भी ख्याल रखना चाहिए। दुनिया में शांति, अहिंसा, सहनशीलता, भाई चारे का संदेश फैलाना चाहिए। पेड़-पौधों, हरियाली, पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए है। सभी पशु-पक्षियों, जीव-जंतुओं के प्रति करूणा की भावना रखनी चाहिए। सब पर दया करना, कभी झूठ नहीं बोलना, बड़ों का आदर करना,

सच बोलना, सबको अपने समान समझते हुए उनसे प्रेम करना, सबकी मदद करना, किसी की बुराई न करना आदि कार्य नैतिक शिक्षा या नैतिक मूल्य कहलाते हैं।

नैतिक मूल्यों के अभाव के कारण व्यक्ति के चरित्र में गिरावट आती जा रही है, आज अपराधों का ग्राफ हर वर्ष बढ़ता जा रहा है। चोरी, डकैती, बलात्कार, हत्याएँ इसलिए हो रही हैं कि व्यक्ति स्वयं के जीवन में उच्च आदर्शों, नैतिक मूल्यों को जीवन में स्थान नहीं दे पा रहा है।

बच्चों में नैतिक मूल्यों का निर्माण करने की जिम्मेदारी माता-पिता, परिवार, स्कूल एवं समाज की है। आज के बच्चे ही कल के भविष्य हैं, अतः शिक्षा के साथ साथ नैतिक मूल्यों को जीवन में स्थान दें। नैतिक मूल्यों को शिक्षा में इस तरह शामिल करना होगा जिससे विभिन्न पाठ्यक्रमों में, कार्यशालाओं व गतिविधियों में, इन नैतिक मूल्यों का संदेश सहज, सरल व रोचक तौर-तरीकों से विद्यार्थियों तक पहुँचे। इसके लिए अच्छे साहित्य, फिल्मों, आडियो-वीडियो सामग्री आदि का सहारा लिया जा सकता है। यदि जीवन में शिष्टाचार, सदाचार, अनुशासन, मर्यादा है तो परिवार और देश में शांति रहेगी।

2. सफलता की कुंजी : मन की एकाग्रता पर अपने विचार प्रकट करें।

किसी विद्वान ने क्या खूब कहा है - "मन के हारे हार मन के जीते जीत है" इस वाक्य का यदि आप गहराई से अवलोकन करें तो इस वाक्य की सार्थकता का पता चलता है कि मन कितना शक्तिशाली है जो किसी को भी पराजित या विजयी कर सकता है। और ये वास्तविकता भी है कि हमारा मन ऐसा कर सकता है क्योंकि हमारे शास्त्रों में मन को ही बंधन और मन को ही मुक्ति का कारण माना गया है। शुद्ध, शांत, निर्मल और स्थिर मन मनुष्य को उत्कर्ष की ओर ले जाता है वही पर चंचल, अस्थिर कुलषित एवं कुसंस्कारों से भरा हुआ मन मनुष्य को पतन व पराभव के मार्ग पर धकेलता है।

मनुष्य का जीवन परिवर्तनशील है जिस प्रकार मौसम में बदलाव देखने को मिलते हैं ठीक उसी प्रकार मानव-जीवन में निराशा-अवसाद, लाभ-हानि,

सफलता-असफलता आते और जाते रहते हैं। कहने का तात्पर्य यह है कि मानव-जीवन में कुछ भी स्थिर नहीं रहता। कभी तो काले घटाओं के बादल घिर आते हैं और मनुष्य अवसाद ग्रस्त हो जाता है परंतु थोड़े ही समय के पश्चात सुखों की बारिश के रूप में मनमोहक इन्द्रधनुष भी मानव-जीवन में आता है जीवन के इन्हीं कड़वे-मीठे अनुभवों से गुजरने का नाम जीवन है। इसलिए जीवन को जीने के लिए मानव को सकारात्मक सोच को अपनाना होगा। जहाँ अच्छा वक्त हमें खुशी देता है, वहीं बुरा वक्त हमें आने वाले भविष्य के लिए सक्षम बनाता है। कुछ लोग अपनी पहली ही असफलता पर हार मान लेते हैं और निराशा के अंधकार में खो जाते हैं। अब्राहम लिंकन के बारे में कौन नहीं जानता उम्र के 52 वर्ष में वे अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए। क्या वे चुनाव हारने के बाद निराश नहीं हुए होंगे? क्या उन्हें अवसाद या निराशा न घेरा होगा? जरुर उन्होंने ने भी इन सब का सामना किया होगा परंतु हिम्मत, सहनशीलता और आत्मविश्वास के कारण ही अंत में वे सफल हुए।

मनुष्य ने जिस क्षण स्वयं को कमज़ोर, लाचार और निर्बल महसूस करना शुरू कर दिया समझो उसी क्षण उसकी हार निश्चित हो जाती है। मानव को दो विकल्पों के बीच सदैव चुनाव करना पड़ता है और यह उसका मानसिक स्तर, उसका विवेक है कि वह क्या चुनता है। मानसिक रूप से सबल और सचेत व्यक्ति सदैव आगे बढ़ने की बात करता है उसके लिए भाग्य जैसी बातें सिर्फ शब्द होते है उसे अपने पुरुषार्थ पर विश्वास होता है। वह निराशा में भी आशा की किरण खोज लेते है उनके लिए हर वक़्त शुरुआत का वक़्त होता है।

3. वृक्ष हमारे जीवन का आवश्यक अंग है। वृक्ष के बिना हम भी अधिक समय तक अपने अस्तित्व को जिंदा नहीं रख सकते। इस आधार पर 'वृक्ष लगाओ जीवन बचाओ' पर अपने विचार लिखें।

भारतीय संस्कृति की परंपरा के अनुसार पेड़ को देवता मानकर उनकी पूजा की जाती है। यह हमारे जीवन का आवश्यक अंग है। वृक्ष के बिना हम भी अधिक समय तक अपने अस्तित्व को जिंदा नहीं रख सकते। वन

वातावरण में से कार्बन डाईऑक्साइड को कम करते हैं। वातावरण को शुद्ध बनाते हैं। बहुमूल्य ऑक्सीजन देते हैं। पेड़ हमें भोजन, घरों के निर्माण और फर्नीचर बनाने के लिए हमें लकड़ी प्रदान करते हैं। वे हमें ईंधन के लिए लकड़ी उपलब्ध कराते हैं। हमें विभिन्न प्रकार की जड़ी-बूटियाँ देते हैं। बढ़ती आबादी, शहरीकरण के कारण हरियाली तेजी से कम हो रही है। जितनी तेज़ी से हम इनकी कटाई कर रहे हैं, उतनी तेज़ी से ही हम अपनी जड़ें भी काट रहे हैं। वृक्षों के कटाव के कारण आज भयंकर स्थिति उत्पन्न हो गई है। पेड़ों का क्रूर वध हमारे विनाश में सहायक होगा। रेगिस्तान का विस्तार होगा, नदियाँ सूख जाएगी, पानी की कमी होगी, भूमि बंजर हो जाएगी, प्रकृति का संतुलन बिगड़ जाएगा। हमारा अस्तित्व उन पर निर्भर करता है इसलिए हमें पेड़ों की रक्षा करनी होगी। पर्यावरण की समस्याओं का एकमात्र समाधान पेड़ों की सुरक्षा है। सरकार ने जनमानस को जागृत करने के लिए 1950 में वन महोत्सव कार्यक्रम आरंभ किया।

पर्यावरण को बचाने के लिए यह हमारे जागने का वक्त है। सिर्फ जागने का ही नहीं, कुछ करने का भी। इसके लिए जरूरी है कि हम पेड़ लगाएँ। विनोबा भावे ने हर व्यक्ति को एक पेड़ लगाना चाहिए यह संदेश दिया है। प्रत्येक व्यक्ति को यह समझना होगा कि वन ही जीवन है, इस वन-जीवन से हम प्यार करें और वृक्षों को लगाकर इसकी रक्षा करे।

4. 'जाको राखे साईंयाँ, मार सके न कोय' इस सूक्ति के आधार पर निबंध लिखिए।

जाको राखे साईंयाँ, मार सके न कोय इस सूक्ति का अर्थ है कि जिस व्यक्ति की रक्षा स्वयं ईश्वर करना चाहता है, उसे कोई नहीं मार सकता। ईश्वर सर्वशक्तिमान और सर्वव्यापक है अत: जिसकी वह रक्षा करता है उसका कोई बाल भी बाँका नहीं कर सकता।

इतिहास और पौराणिक कथाएँ इस कथन की साक्षी हैं। भक्त प्रल्हाद को उसके पिता हिरण्यकश्यप ने मारना चाहा परंतु भगवान ने उसकी रक्षा की। उसे कभी पर्वत से गिराकर, कभी तलवार से कटवाकर, कभी अग्नि में जलाकर मरवाने का प्रयास किया परंतु वह हर बार नाकाम रहे।

एक गाँव में एक भला सेठ रहता था। वह गरीबों को अनाज कम मुनाफे में बेचता था। एक बार उसकी दुकान पर चोर घुस गए और उससे मार-पीट करने लगे। यह एक चायवाले ने देखा और सबको जमा करके उसकी जान बचाने चले गए। इस तरह उसके जान और माल दोनों बच गए। इस तरह भगवान अच्छे लोगों की हमेशा रक्षा करता है।
इसलिए कहते है - "जाको राखे, साईंयाँ मार सके न कोय"

5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

उपर्युक्त चित्र वृक्षारोपण से संबंधित चित्र है। इस चित्र में हमें स्काउट और गाइड के बच्चे वृक्षारोपण करते हुए दिखाई दे रहे हैं। कुछ बच्चे पौधे रोप रहे हैं तो कुछ बच्चे पौधों में पानी डाल रहे हैं। सभी बच्चे खुश नजर आ रहे हैं और अपने-अपने काम को लगन और तन्मयता से कर रहे हैं।
भारतीय संस्कृति की परंपरा के अनुसार पेड़ को देवता मानकर उनकी पूजा की जाती है। यह हमारे जीवन का आवश्यक अंग है। वृक्ष के बिना हम भी

अधिक समय तक अपने अस्तित्व को जिंदा नहीं रख सकते। वन वातावरण में से कार्बन डाईऑक्साइड को कम करते हैं। वातावरण को शुद्ध बनाते हैं। बहुमूल्य ऑक्सीजन देते हैं। पेड़ हमें भोजन, घरों के निर्माण और फर्नीचर बनाने के लिए हमें लकड़ी प्रदान करते हैं। वे हमें ईंधन के लिए लकड़ी उपलब्ध कराते हैं। हमें विभिन्न प्रकार की जड़ी-बूटियाँ देते हैं। बढ़ती आबादी, शहरीकरण के कारण हरियाली तेजी से कम हो रही है। जितनी तेज़ी से हम इनकी कटाई कर रहे हैं, उतनी तेज़ी से ही हम अपनी जड़ें भी काट रहे हैं। वृक्षों के कटाव के कारण आज भयंकर स्थिति उत्पन्न हो गई है। पेड़ों का क्रूर वध हमारे विनाश में सहायक होगा। रेगिस्तान का विस्तार होगा, नदियाँ सूख जाएगी, पानी की कमी होगी, भूमि बंजर हो जाएगी, प्रकृति का संतुलन बिगड़ जाएगा। हमारा अस्तित्व उन पर निर्भर करता है इसलिए हमें पेड़ों की रक्षा करनी होगी। पर्यावरण की समस्याओं का एकमात्र समाधान पेड़ों की सुरक्षा है। सरकार ने जनमानस को जागृत करने के लिए 1950 में वन महोत्सव कार्यक्रम आरंभ किया।
पर्यावरण को बचाने के लिए यह हमारे जागने का वक्त है। सिर्फ जागने का ही नहीं, कुछ करने का भी। इसके लिए जरूरी है कि हम पेड़ लगाएँ। विनोबा भावे ने हर व्यक्ति को एक पेड़ लगाना चाहिए यह संदेश दिया है। प्रत्येक व्यक्ति को यह समझना होगा कि वन ही जीवन है, इस वन-जीवन से हम प्यार करें और वृक्षों को लगाकर इसकी रक्षा करे।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below: [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

1. आपका छोटा भाई पढ़ाई में बिलकुल ध्यान नहीं दे रहा है। वह न तो विद्यालय में पढ़ता है और न घर पर। इस बार परीक्षा में उसके अंक भी बहुत कम आए हैं। अत: पढ़ाई का महत्त्व समझाते हुए पत्र लिखिए।

जोसेफ़ एंड मेरी स्कूल

ब्लाक-एन, अलीपुर

पश्चिमबंगाल - 42

दिनाँक - 15 जुलाई 2010

प्रिय अजय

चिरंजीव रहो।

कल ही पिता जी का पत्र प्राप्त हुआ। उस पत्र को पढ़कर पता चला कि तुम अधिकांश समय खेलकूद में तथा मित्रों के साथ व्यर्थ के वार्तालाप में नष्ट कर देते हो। यह उचित नहीं है। मन को एकाग्र करके पढ़ाई की ओर ध्यान दो। अपनी दिनचर्या नियमित करो और हर क्षण अपने लक्ष्य पर दृष्टि रखो। तुम्हें ज्ञात होगा कि जितने भी महान व्यक्ति हुए हैं, उन्होंने अपने जीवन के एक क्षण को भी व्यर्थ नहीं जाने दिया। प्रिय अजय याद रखो, समय संसार का सबसे बड़ा शासक है। समय का मूल्य समझना है। यह बात ठीक है कि जीवन में मनोरंजन का भी महत्त्व है, पर मेहनत का पसीना बहाने के बाद।

यदि तुम एकाग्र मन से नहीं पढ़ोगे, तो परीक्षा में असफल होने के कारण तुम्हारा भविष्य अंधकारमय हो जाएगा। अभी भी कुछ नहीं बिगड़ा। अपना ध्यान पढ़ाई में लगाओ।

इसी आशा के साथ पत्र समाप्त करता हूँ कि तुम मेरी बातों पर ध्यान केंद्रित करोगे और आगामी परीक्षा में हमें तुम निराश नहीं करोगे।

तुम्हारा अग्रज

रोनित

2. शिक्षण मार्गदर्शन पत्रिका का अंक न मिलने पर शिकायत पत्र लिखिए।

आदर्श हिंदी विदयालय

नेहरु नगर

दिल्ली।

दिनाँक -20 जून 20- -

प्रति
श्री संपादक
मासिक
ग्रेट इंडिया प्रेस
दिल्ली।

विषय : शिक्षण मार्गदर्शन पत्रिका का अंक न मिलने पर शिकायत।

महोदय
मैं आपके लोकप्रिय मासिक पत्रिका का दो साल से नियमित ग्राहक हूँ। मेरी ग्राहक संख्या 201 है। आज तक का अंक मुझे प्राय: हर महीने 5 तारीख तक मिल जाया करता था। किंतु खेद की बात यह है कि इस महीने मुझे अंक अभी तक नहीं मिला है। मैंने डाकघर में भी पूछताछ की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।
अत: आपसे प्रार्थना है कि आप इस संबंध में जाँच करके उचित कार्यवाही करें तथा जून महीने के की एक प्रति जल्द भेज देने का प्रबंध करें।
कष्ट के लिए क्षमा चाहता हूँ।
धन्यवाद।
भवदीय
आकाश बिराजदार

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible : [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए:

हड़प्पा में पकी मिट्टी की स्त्री मूर्तिकाएँ भारी संख्या में मिली हैं। एकमूर्ति में स्त्री के गर्भ से निकलता एक पौधा दिखाया गया है। विद्वानों के मत में यह पृथ्वी देवी की प्रतिमा है और इसका निकट संबंध पौधों के जन्म और वृद्धि से

रहा होगा। इसलिए मालूम होता है कि यहाँ के लोग धरती को उर्वरता की देवी समझते थे और इसकी पूजा उसी तरह करते थे जिस तरह मिस्र के लोग नील नदी की देवी आइसिस् की। लेकिन प्राचीन मिस्र की तरह यहाँ का समाज भी मातृ प्रधान था कि नहीं यह कहना मुश्किल है। कुछ वैदिक सूक्तों में पृथ्वी माता की स्तुति है, धोलावीरा के दुर्ग में एक कुआँ मिला है इसमें नीचे की तरफ जाती सीढ़ियाँ है और उसमें एक खिड़की थी जहाँ दीपक जलाने के सबूत मिलते है। उस कुएँ में सरस्वती नदी का पानी आता था, तो शायद सिंधु घाटी के लोग उस कुएँ के जरिए सरस्वती की पूजा करते थे।

1. हड़प्पा में किसकी मूर्तिकाएँ भारी संख्या में मिली हैं?
   उत्तर : हड़प्पा में पकी मिट्टी की स्त्री मूर्तिकाएँ भारी संख्या में मिली हैं।

2. हड़प्पा के लोग किसे उर्वरता की देवी समझते थे?
   उत्तर : हड़प्पा के लोग धरती को उर्वरता की देवी समझते थे।

3. हड़प्पा के लोग धरती की पूजा कैसे करते थे?
   उत्तर : हड़प्पा के लोग धरती की पूजा उसी तरह करते थे जिस तरह मिस्र के लोग नील नदी की देवी आइसिस् की।

4. वैदिक सूक्तों में किस की स्तुति है?
   उत्तर : कुछ वैदिक सूक्तों में पृथ्वी माता की स्तुति है।

5. सिंधु घाटी के लोग सरस्वती कीपूजा की पूजाकैसे करते थे?
   उत्तर : धोलावीरा के दुर्ग में एक कुआँ मिला है इसमें नीचे की तरफ जाती सीढ़ियाँ है और उसमें एक खिड़की थी जहाँ दीपक जलाने के सबूत मिलते है। उस कुएँ में सरस्वती नदी का पानी आता था, तो शायद सिंधु घाटी के लोग उस कुएँ के जरिये सरस्वती की पूजा करते थे।

Q.4 Answer the following according to the instructions given :

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित क्रिया शब्दों से विशेषण बनाइए : [1]
   - भागना भागने वाला
   - पालना पालने वाला

2. निम्नलिखित सर्वनाम शब्दों से भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए : [2]
   - अपना - अपनापन, अपनत्व
   - निज - निजत्व, निजता

3. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थपूर्ण स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए : [2]
   मुँह फेरना, ठुकरा देना
   - राम के बुरे दिन आते ही सभी ने उससे मुँह फेर लिया।
   - बेटे ने पिता की सही राय को ठुकरा दिया।

4. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए : [3]
   1. शत्रुओं ने देश को गेर लिया। (रेखांकित के स्थान पर सही शब्द का प्रयोग करें।)

      उत्तर : शत्रुओं ने देश को घेर लिया।

   2. पौधा एक माली लगाया ने बगीचे में। (शब्दों को क्रम से लगाकर उचित वाक्य बनाइए।)

      उत्तर : माली ने बगीचे में एक पौधा लगाया।

   3. अपराधी को दंड मिलना ही था। ('दंड' के स्थान पर 'दंडित' का प्रयोग कीजिए।)

      उत्तर : अपराधी को दंडित किया गया।

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

साहित्य सागर

गद्य

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

कागज़ पर इन निर्जीव चित्रों को बनाने के बजाय दो-चार की जिंदगी क्यों नहीं बना देती ! तेरे पास सामर्थ्य है, साधन हैं!"

पाठ - दो कलाकार

लेखक - मन्नू भंडारी

1. उपर्युक्त कथन का संदर्भ स्पष्ट करें। [2]

   उत्तर : चित्रा चाय पर अरुणा का इंतजार कर रही होती है। इतने में अरुणा का आगमन होता है और चित्रा उसे बताती है कि उसके पिता का पत्र आया है जिसमें आगे की पढ़ाई के लिए उसे विदेश जाने की अनुमति मिल गई है। उस समय आपसी बातचीत के दौरान अरुणा चित्रा से उपर्युक्त कथन कहती है।

2. उपर्युक्त कथन का तात्पर्य स्पष्ट करें। [2]

   उत्तर : उपर्युक्त कथन से अरुणा का तात्पर्य चित्रा के असंवेदनशील होने से है। चित्रा चित्रकार होने के नाते केवल अपने चित्रों के बारे में ही सोचती रहती है। दुनिया में बड़ी-से-बड़ी घटना क्यों न घट जाय यदि चित्रा को उसमें चित्रकारी के लिए मॉडल नहीं मिलता तो उसके लिए वह घटना बेमानी होती है।

3. अरुणा ने आवेश में आकर यह क्यों कहा कि किस काम की ऐसी कला जो आदमी को आदमी न रहने दें। [3]

उत्तर : चित्रा दुनिया से कोई मतलब नहीं रखती थी। वह बस चौबीसों घंटे अपने रंग और तूलिकाओं में डूबी रहती थी। दुनिया में कितनी भी बड़ी घटना घट जाए, पर यदि उसमें चित्रा के चित्र के लिए कोई आइडिया नहीं तो वह उसके लिए कोई महत्त्व नहीं रखती थी। वह हर जगह, हर चीज में अपने चित्रों के लिए मॉडल ढूंढा करती थी। इसलिए अरुणा ने आवेश में आकर यह कहा कि किस काम की ऐसी कला जो आदमी को आदमी न रहने दें।

4. अरुणा उपर्युक्त कथन द्वारा चित्रा को क्या कहना चाहती है? [3]

उत्तर : अरुणा उपर्युक्त कथन द्वारा चित्रा को कहना चाहती है कि वह अमीर पिता की बेटी है उसके पास साधनों और पैसे की कोई कमी नहीं है अत: वह उन साधनों से किसी की जिंदगी सँवार सकती है।

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

सुनते हो? आज तुम्हारी फाइल पूर्ण हो गई मगर कवि का हाथ ठंडा था, आँखों की पुतलियाँ निर्जीव और चींटियों की एक लंबी पाँत उसके मुँह में जा रही थी...।

पाठ - जामुन का पेड़
लेखक - कृष्ण चंदर

1. यहाँ पर किस फाइल की बात की जा रही है? [2]

उत्तर : सेक्रेटेरियेट के लॉन में लगे जामुन के पेड़ के नीचे एक व्यक्ति कई दिन से दबा पड़ा रहता है और उसे वहाँ से निकालने के लिए विभिन्न विभागों से संपर्क किया जाता है और अंत में बात प्रधानमंत्री तक पहुँचती है और उस पेड़ को काटने का निर्णय किया जाता है यहाँ पर इसी फाइल के पूर्ण हो जाने से संबंधित बात की जा रही है।

2. दबे हुए व्यक्ति को इतने दिन पेड़ के नीचे से क्यों नहीं निकाला गया? [2]

उत्तर : यहाँ पर सरकारी विभाग की अकर्मण्यता की और ध्यान खींचा गया है कि किस तरह हर एक विभाग अपनी जिम्म्मेदारी से मुकर रहा था। हर एक विभाग अपनी जिम्मेदारी दूसरे विभाग के मत्थे मढ़ने पर लगा हुआ था। इसी कारणवश दबे हुए व्यक्ति को इतने दिन पेड़ के नीचे से नहीं निकाला गया।

3. उपर्युक्त कथन का वक्ता कौन है उसका परिचय दें। [3]

उत्तर : उपर्युक्त कथन का वक्ता सेक्रेटेरियेट में काम करने वाला एक माली है इसी ने सबसे पहले कवि के पेड़ के नीचे दबे होने की बात बताई थी। पूरी कहानी में चपरासी ही अकेला ऐसा व्यक्ति था जिसे कवि के प्रति सहानुभूति और चिंता थी।

4. प्रस्तुत कथन का आशय स्पष्ट करें। [3]

उत्तर : प्रस्तुत कथन का आशय सरकारी विभागों की अकर्मण्यता से है। यहाँ पर लेखक के कहने का तात्पर्य यह है कि लोग कितने असंवेदनशील हो गए है किसी को भी पेड़ के नीचे दबे व्यक्ति के बारे में चिंता नहीं थी। सभी अपनी-अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहे थे और पेड़ को न हटवाने का दोष एक दूसरे पर मढ़ रहे थे और सरकारी विभागों की इस देरी की वजह से उस आदमी की मौत हो जाती है।

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

पशु समाज में इस 'क्रांतिकारी' परिवर्तन से हर्ष की लहर दौड़ गई कि समृद्धि और सुरक्षा का स्वर्ण-युग अब आया और वह आया।

पाठ - भेड़ें और भेड़िए

लेखक - हरिशंकर परसाई

1. पशु समाज में 'क्रांतिकारी' परिवर्तन क्यों आया? [2]

उत्तर : एक बार वन के पशुओं को ऐसा लगा कि वे सभ्यता के उस स्तर पहुँच गए हैं, जहाँ उन्हें एक अच्छी शासन-व्यवस्था अपनानी चाहिए और इसके लिए प्रजातंत्र की स्थापना करनी चाहिए। इस प्रकार पशु समाज में प्रजातंत्र की स्थापना का 'क्रांतिकारी' परिवर्तन आया।

2. प्रस्तुत अवतरण में 'क्रांतिकारी' परिवर्तन से क्या आशय है? [2]

उत्तर : प्रस्तुत अवतरण में 'क्रांतिकारी' परिवर्तन से आशय प्रजातंत्र की स्थापना से है। एक बार वन के पशुओं को ऐसा लगा कि वे सभ्यता के उस स्तर पहुँच, जहाँ उन्हें एक अच्छी शासन-व्यवस्था अपनानी चाहिए और इसके लिए प्रजातंत्र की स्थापना करनी चाहिए।

3. पशु समाज में हर्ष की लहर क्यों दौड़ पड़ी? [3]

उत्तर : पशु समाज ने जब प्रजातंत्र की स्थापना की बात सोची तो उन्हें लगा कि अब उनके जीवन में सुख-समृद्धि और सुरक्षा का स्वर्ण युग आ जाएगा इसलिए पशु में हर्ष की लहर दौड़ पड़ी।

4. प्रजातंत्र की स्थापना की कल्पना से भेड़ों में कौन-सी आशाएँ जागने लगी? [3]

उत्तर : प्रजातंत्र की स्थापना की कल्पना से भेड़ों को लगा कि अब उनका भय दूर हो जाएगा। वे उनके प्रतिनिधियों से कानून बनवाएँगे कि कोई जीवधारी किसी को न सताएँ, न मारे। सब जिएँ और जीने दें का पालन करेंगे। उनका समाज शांति, बंधुत्व और सहयोग पर आधारित होगा।

साहित्य सागर

पद्य

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

भूख से सूख ओंठ जब जाते
दाता-भाग्य विधाता से क्या पाते?
घूँट आँसुओं के पीकर रह जाते।
चाट रहे जूठी पत्तल वे सभी सड़क पर खड़े हुए,
और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए!

कविता - भिक्षुक
कवि - सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

1. भिक्षुक के आँसुओं के घूँट पी जाने का क्या कारण है? [2]
उत्तर : भिक्षुक भूख के मारे व्याकुल है, साथ में उसके बच्चे भी हैं। भिक्षुक शरीर से भी दुर्बल है। भीख में जब उसे कुछ नहीं मिलता तब वह आँसुओं के घूँट पी जाता है।

2. भूख मिटाने की विवशता उनसे क्या करवाती है? [3]
उत्तर : भिक्षुक को जब कुछ नहीं मिलता तो वे जूठी पत्तलें चाटने के लिए विवश हो जाते हैं। जूठी पत्तलों में जो कुछ थोड़ा बहुत अन्न बचा था वे उसी को खाकर अपनी भूख शांत करने का प्रयास करते हैं।

3. 'और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए' - पंक्ति का आशय स्पष्ट करें। [3]
उत्तर : उपर्युक्त पंक्ति का आशय भूख की विवशता से है। भिक्षुक जब सड़क पर खड़े होकर जूठी पत्तलों को चाटकर अपनी भूख को मिटाने का प्रयास कर रहे थे तब सड़क के कुत्ते भी उन्हीं पत्तलों को पाने के लिए भिक्षुक पर झपट पड़े थे।

4. शब्दार्थ लिखिए : [3]

- ओंठ - ओष्ठ
- सड़क - मार्ग
- कुत्ते - श्वान
- झपट - छिनना
- आँसू - अश्रु
- विधाता - ईश्वर

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

चलूँ मैं जल्दी से बढ़-चलूँ।
देख लूँ माँ की प्यारी मूर्ति।
आह! वह मीठी-सी मुसकान
जगा जाती है, न्यारी स्फूर्ति।।
उसे भी आती होगी याद?
उसे, हाँ आती होगी याद।
नहीं तो रूठूँगी मैं आज
सुनाऊँगी उसको फरियाद।
कलेजा माँ का, मैं संतान
करेगी दोषों पर अभिमान।
मातृ-वेदी पर हुई पुकार,
चढ़ा दो मुझको, हे भगवान।।

कविता - मातृ मंदिर की ओर
कवि - सुभद्रा कुमारी चौहान

1. कवयित्री क्यों जल्दी से आगे बढ़ना चाहती है? [2]

उत्तर : कवियित्री को माँ के मंदिर में जगमगाते दीपों का ज्योति पुंज दिखाई दे रहा है तथा वाद्य भी सुनाई दे रहे है इसलिए वे मातृ भूमि के चरणों में जाना चाहती है।

2. कवयित्री माँ को क्या सुनाना चाहती है? [2]

उत्तर : कवयित्री का मन बैचैन है। वह दुखी और निराश भी है इसलिए कवयित्री माँ को फरियाद सुनाना चाहती है।

3. इस कविता का केन्द्रीय भाव लिखें। [3]

उत्तर : 'मातृ मंदिर की ओर' देशभक्ति से पूर्ण एक मार्मिक कविता है। कवयित्री देश की गुलामी से व्यथित है और अपने अश्रुओं से भारतमाता के चरणों को धोना चाहती है। वह भारतमाता के मंदिर में जाकर देश की आज़ादी की लड़ाई में भाग लेना चाहती है ताकि गुलामी की जंज़ीर को काट कर उसे बंधन-मुक्त करने में अपनी भूमिका अदा करने में सफल हो सके। कवयित्री भारतमाता की स्वतंत्रता के लिए अपने जीवन का बलिदान करने के लिए तत्पर है।

4. शब्दार्थ लिखिए : [3]

- स्फूर्ति - उत्तेजना
- फरियाद - याचना
- अभिमान - गर्व
- संतान - औलाद
- पुकार - बुलाना
- भगवान - ईश्वर

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।
आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली
दरवाजे-खिड़कियाँ खुलने लगी गली-गली

पाहुन ज्यों आये हों गाँव में शहर के।
पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाये
आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाये
बाँकी चितवन उठा नदी, ठिठकी, घूँघट सरकाए।

कविता - मेघ आए

कवि - सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

1. मेघ रूपी मेहमान के आने से वातावरण में क्या परिवर्तन हुए? [2]

उत्तर : मेघ रूपी मेहमान के आने से हवा के तेज बहाव के कारण आँधी चलने लगती है जिससे पेड़ कभी झुक जाते हैं तो कभी उठ जाते हैं। दरवाजे खिड़कियाँ खुल जाती हैं। नदी बाँकी होकर बहने लगी। पीपल का वृक्ष भी झुकने लगता है, तालाब के पानी में उथल-पुथल होने लगती है, अंत में आसमान से वर्षा होने लगती है।

2. 'बाँकी चितवन उठा, नदी ठिठकी, घूँघट सरकाए।' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। [2]

उत्तर : उपर्युक्त पंक्ति का भाव यह है कि मेघ के आने का प्रभाव सभी पर पड़ा है। नदी ठिठककर कर जब ऊपर देखने की चेष्टा करती है तो उसका घूँघट सरक जाता है और वह तिरछी नज़र से आए हुए आंगतुक को देखने लगती है।

3. मेघों के लिए 'बन-ठन के, सँवर के' आने की बात क्यों कही गई है? [3]

उत्तर : कवि ने मेघों में सजीवता लाने के लिए बन ठन की बात की है। जब हम किसी के घर बहुत दिनों के बाद जाते हैं तो बन सँवरकर जाते हैं ठीक उसी प्रकार मेघ भी बहुत दिनों बाद आए हैं क्योंकि उन्हें बनने सँवरने में देर हो गई थी।

4. शब्दार्थ लिखिए : [3]

- बन ठन के - सज-धज के
- बाँकी चितवन - तिरछी नजर
- पाहुन - अतिथि
- ठिठकना - सहम जाना

एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

अब शराफत और इन्सानियत की दुहाई देते हो। कुछ देर पहले तो ...

एकांकी - बहू की विदा

लेखक - विनोद रस्तोगी

1. इस कथन की वक्ता का चरित्र चित्रण कीजिए। [2]

उत्तर : इस कथन की वक्ता राजेश्वरी है। यह जीवन लाल की पत्नी है। वह एक नेक दिल औरत है। धैर्यवान तथा ममता की मूर्ति है। वह अन्याय का विरोध करती है। वह अपने पति जीवन लाल की उपर्युक्त कथन द्वारा आँखें खोल देती है।

2. शराफत और इन्सानियत की दुहाई कौन दे रहा है? क्यों? [2]

उत्तर : जीवन लाल शराफत और इन्सानियत की दुहाई दे रहा है क्योंकि दहेज देने के बावजूद उसकी बेटी गौरी के ससुराल वालों उसे दहेज कम पड़ने की वजह से उसके भाई के साथ विदा न करके उसे अपमानित किया।

3. वक्ता ने श्रोता की किस बात के लिए आलोचना की? [3]

उत्तर : वक्ता राजेश्वरी ने अपने पति जीवन लाल की लोभी प्रवृत्ति और दोगले व्यवहार के लिए उसकी आलोचना की। क्योंकि दहेज देने

के बावजूद उसकी बेटी गौरी के ससुराल वालों के उसे दहेज कम पड़ने की वजह से उसके भाई के साथ विदा न करके उसे अपमानित करने पर जीवन लाल जीवन लाल शराफत और इन्सानियत की दुहाई देते है। जबकि खुद अपनी बहू को दहेज के पाँच हजार कम पड़ने की वजह से उसके भाई के साथ विदा नहीं करते और अपमानित करते हैं।

4. वक्ता ने श्रोता की आँखे किस प्रकार खोली? [3]

उत्तर : दहेज देने के बावजूद उसकी बेटी गौरी के ससुराल वालों के उसे दहेज कम पड़ने की वजह से उसके भाई के साथ विदा न करके उसे अपमानित करने पर जीवन लाल जीवन लाल शराफत और इन्सानियत की दुहाई देते हैं। तब वक्ता राजेश्वरी ने अपने पति जीवन लाल की आँखें खोलने के लिए कहा अब तुम शराफत और इन्सानियत की दुहाई दे रहे हो जबकि खुद अपनी बहू को दहेज के पाँच हजार कम पड़ने की वजह से उसके भाई के साथ विदा नहीं करते और अपमानित कर रहे हो।

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

काश कि मैं निर्मम हो सकती, काश कि मैं संस्कारों की दासता से मुक्त हो पाती तो कुल धर्म और जाति का भूत मुझे तंग न करता और मैं अपने बेटे से न बिछुड़ती। स्वयं उसने मुझसे कहा था, संस्कारों की दासता सबसे भयंकर शत्रु है।

एकांकी - संस्कार भावना

लेखक - विष्णु प्रभाकर

1. कौन संस्कारों की दासता से मुक्त होने में विफल रहा और क्यों? [2]

उत्तर : यहाँ पर अतुल और अविनाश की माँ हिन्दू समाज की रूढ़िवादी संस्कारों से ग्रस्त हैं। वे संस्कारों की दास हैं। एक मध्यम परिवार

में अपने पुराने संस्कारों की रक्षा करना धर्म माना जाता है। इसलिए माँ संस्कारों की दासता से मुक्त होने में विफल रही।

2. माँ ने अपने विचारों के प्रति क्या पश्चाताप किया है? [2]
   उत्तर : माँ ने अपने रूढ़ीवादी विचारों के कारण अपने बेटे-बहू से बिछड़ने का पश्चाताप किया है।

3. अतुल और उमा माँ के किस निर्णय से प्रसन्न हैं? [3]
   उत्तर : जब माँ को अविनाश की पत्नी की बीमारी की सूचना मिलती है तब उसका हृदय मातृत्व की भावना से भर उठता है। उसे इस बात का आभास है कि यदि बहू को कुछ हो गया तो अविनाश नहीं बचेगा। माँ को पता है कि अविनाश को बचाने की शक्ति केवल उसी में है। इसलिए वह प्राचीन संस्कारों के बाँध को तोड़कर अपने बेटे के पास जाना चाहती है।

4. अविनाश की वधू का चरित्र-चित्रण कीजिए। [3]
   उत्तर : अविनाश की वधू बहुत भोली और प्यारी थी, जो उसे एक बार देख लेता उसके रूप पर मंत्रमुग्ध हो जाता। बड़ी-बड़ी काली आँखें उनमें शैशव की भोली मुस्कराहट उसके रूप तथा बड़ों के प्रति आदर के भाव ने अतुल और उमा को प्रभावित किया।

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

इस मिट्टी के दुर्ग को मिट्टी में मिलाने से मेरी आत्मा को संतोष नहीं होगा, लेकिन अपमान की वेदना में जो विवेकहीन प्रतिज्ञा मैंने कर डाली थी, उससे तो छुटकारा मिल ही जाएगा।

एकांकी - मातृभूमि का मान

लेखक - हरिकृष्ण ‘प्रेमी’

1. महाराणा ने किसके सुझाव पर बूँदी का नकली महल बनवाया? [2]

उत्तर : महाराणा ने चारणी सुझाव पर बूँदी का नकली महल बनवाया।

2. नकली दुर्ग क्यों बनवाया गया? [2]

उत्तर : महाराणा लाखा ने गुस्से में यह प्रतिज्ञा की थी कि जब तक वे बूँदी के दुर्ग में ससैन्य प्रवेश नहीं करेंगे, अन्न जल ग्रहण नहीं करेंगे। चारिणी ने उन्हें सलाह दी कि वे नकली दुर्ग का विध्वंस करके अपनी प्रतिज्ञा पूर्ण कर ले। महाराणा ने यह प्रस्ताव स्वीकार किया क्योंकि वे हाड़ाओं को उनकी उदण्डता का दंड देना चाहते थे तथा अपने व्रत का भी पालन करना चाहते थे।

3. महाराणा की प्रतिज्ञा विवेकहीन क्यों थी? [3]

उत्तर : महाराणा ने बिना सोचे समझे प्रतिज्ञा की थी इसलिए यह विवेकहीन थी।

4. 'मातृभूमि का मान' एकांकी शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए। [3]

उत्तर : प्रस्तुत एकांकी 'मातृभूमि का मान' शीर्षक सार्थक है क्योंकि यहाँ मातृभूमि के मान के लिए ही महाराणा लाखा, बूँदी के नरेश तथा वीर सिंह लड़ते है तथा वीरसिंह ने अपनी मातृभूमि बूँदी के नकली दुर्ग को बचाने के लिए अपने प्राण की आहुति दे दी।

नया रास्ता

(सुषमा अग्रवाल)

Q.14. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

धनीमल जी व मायाराम जी आपस में कुछ बातें की और सब वहाँ से उठकर चल दिए। अमित और सरिता को एकांत में बात करने का अवसर

दिया गया। अमित ने सरिता से कुछ प्रश्न किए। अमित ने पूछा, "आपकी किस चीज में रूचि है?"

सरिता ने तपाक से जवाब दिया, "जी, मुझे पेंटिंग व कार ड्राइविंग में विशेष रूचि है।"

1. धनीमल और मायाराम कौन हैं? उनके बीच क्या बातचीत हो रही है? [2]

   उत्तर : धनीमल मेरठ के एक बड़े रईस और सरिता के पिता हैं।
   मायाराम अमित के पिता हैं।
   मायाराम अपने परिवार सहित धनीमल की बेटी को देखने आए हुए हैं। इस समय उन दोनों के बीच इसी रिश्ते को लेकर आपस में बातचीत चल रही है।

2. अमित और सरिता किस विषय में बात कर रहे हैं? [2]

   उत्तर : अमित और सरिता आपस में खुलकर बातचीत कर सके इसलिए दोनों के परिवार वालों ने उन्हें अकेला छोड़ दिया। अमित और सरिता इस समय औपचारिक वार्तालाप के दौरान अपनी पसंद-नापसंद, पढ़ाई-लिखाई और रुचियों की बातें कर रहे हैं।

3. मुझे पेंटिंग व कार ड्राइविंग में विशेष रूचि है - स्पष्ट कीजिए। [3]

   उत्तर : यहाँ पर अमित को आपसी बातचीत के दौरान सरिता के बारे में यह पता चलता है कि उसे पेंटिंग व कार ड्राइविंग का शौक है। अमित को आश्चर्य होता है कि एक गृहस्थी को सुचारू रूप से चलाने के लिए कई चीजों को आवश्यकता होती है और सरिता को घर के कामों में कोई दिलचस्पी नहीं थी।

4. उनकी बातचीत का निष्कर्ष क्या होगा? [3]

   उत्तर : अमित और सरिता ने जब आपस में बातचीत की तो अमित को सरिता के बारे में जानने का मौका मिला उस बातचीत से यह निष्कर्ष निकला कि सरिता को घर के कामों में कोई रूचि नहीं थी।

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

वह स्वयं ही दृढ़ता व साहस की मूर्ति थी। उतार चढ़ाव तो हर इंसान की जिंदगी में आते ही रहते हैं। उसने विवाह का सपना ही देखना छोड़ दिया। उसके सामने इतनी लंबी जिंदगी पड़ी थी, जिसका वह एक क्षण भी व्यर्थ नहीं होने देना चाहती थी।

1. लेखिका मीनू को दृढ़ता व साहस की मूर्ति क्यों कह रही है? [2]

   उत्तर : मीनू के रंग-रूप के कारण वह अनेक बार ठुकराई जा चुकी थी परंतु मेरठ वाले रिश्ते से उसे काफी उम्मीदें बंधी थी लेकिन वहाँ से भी जब उसे ठुकराया गया तो वह एकदम टूट सी जाती है। उसे लगने लगता है कि उसका जीवन व्यर्थ है। पर जल्दी हो अपने आप को संभाल लेती है और विवाह न करने का संकल्प लेकर अपने निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने में लग जाती है।

2. विवाह के अलावा मीनू के जीवन का लक्ष्य क्या था? [2]

   उत्तर : यूँ तो मीनू को बचपन से ही वकील बनने की इच्छा थी परंतु उसके माता-पिता उसे होस्टल भेजने के पक्ष में न होने के कारण उसकी यह इच्छा पूरी नहीं हो पा रही थी। पर अंत में मीनू की लगन देखकर उन्होंने उसे आज्ञा दे दी इस प्रकार विवाह के अलावा मीनू का लक्ष्य वकील बनना था।

3. मीनू समाज के झूठे आवरण को हटाकर एक सत्य दिखाना चाहती है - स्पष्ट कीजिए। [3]

   उत्तर : यहाँ पर मीनू समाज को यह दिखाना चाहती थी कि केवल विवाह ही किसी लड़की की मंजिल नहीं होती है। लड़की के सामने विवाह के अतिरिक्त भी अन्य कई विकल्प मौजूद होते है।

4. प्रस्तुत पंक्तियों का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए। [3]

उत्तर : प्रस्तुत पंक्तियों का भावार्थ यह है कि इंसान को परिस्थिति के आगे हार नहीं माननी चाहिए। मीनू ने भी परिस्थिति के आगे हार नहीं मानी और अपना ध्यान लक्ष्य को पूरा करने में केंद्रित कर दिया।

Q.16. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

परन्तु दूसरे ही क्षण मीनू के कदम अस्पताल की ओर बढ़ चले। उसके ह्रदय में एक अंतर्द्वंद्व था उसका अस्पताल में जाना उचित होगा या नहीं। कई बार उसको अंत:प्रेरणा ने उसे वापस मुड़ जाने के लिए प्रेरित किया, परंतु अंतर्द्वंद्व में फैसला नहीं कर पायी। उसके कदम अस्पताल की ओर बढ़ते गए उसने देखा कि वह अस्पताल के सामने खड़ी थी।

मीनू ने अमित के कमरे में प्रवेश किया, तो देखा कि अमित अपने पलंग पर लेटा हुआ अपनी माँ से बातें का रहा था। मीनू को देखकर उन्होंने उसे प्रेमपूर्वक बैठाया उसे देखकर अमित के मुरझाए चेहरे पर खुशी की लहर दौड़ गई।

तभी माँ ने मीनू से पूछा, “मीनू तुम्हारी वकालत तो पूरी हो गई है ना?”

“हाँ आंटी ! मैंने प्रथम श्रेणी में वकालत पास कर ली है और अब यहाँ मेरठ में ही प्रेक्टिस भी शुरू कर दी है।”

1. अमित मीनू के आने से खुश क्यों हो गया? [2]

उत्तर : अमित ने मीनू का रिश्ता ठुकराकर मीनू के दिल को ठेस पहुँचाई थी इसलिए इस तरह मीनू के अस्पताल में आकर उसे मिलने से अमित खुश हो गया।

2. यह वार्तालाप किस-किस के मध्य चल रहा है? उनका आपस में क्या संबंध है? [2]

उत्तर : यह वार्तालाप मीनू और अमित की माँ के मध्य चल रहा है।

उनका आपस में वैसे सीधा कोई संबंध नहीं है। वैसे अमित की माँ ने एक बार मीनू का रिश्ता अमीर घर की लड़की सरिता के लिए ठुकराया था।

3. वक्ता के वकालत पास करने से उन्हें विशेष खुशी क्यों हो रही है? [3]

उत्तर : अमित का एक्सीडेंट हो गया था और ऐसे में कोई लड़की अमित से मिलने आती है। और पूछताछ करने पर जब उन्हें पता चलता है कि वह कोई साधारण लड़की न होकर वकील है तो वक्ता बड़ी खुश होती है।

4. इन पंक्तियों का भाव अपने शब्दों में लिखिए। [3]

उत्तर : इन पंक्तियों का भाव यह है कि मीनू फैसला नहीं कर पा रही थी कि जिस लड़के ने उसे ठुकराया है वह उसी से मिलने अस्पताल जाएँ या नहीं।